विचार बिन्दु

सत्ग्रंथ इस लोक की चिंतामणि नहीं उनके अध्ययन से सारी कुचिंताएं मिट जाती है। संशय पिशाच भाग जाते हैं और मन में सद्भाव जागृत होकर परम शांति प्राप्त होती है। –अज्ञात

हिमालय पर्वत की संरचना जानने वाले कभी उसमें सुरंग नहीं बनाते

असंख्य पर्वत मालाओं से संयुक्त हिमालय पर्वत अन्य सभी पहाड़ और पहाड़ियों से भिन्न है। इसकी श्रंखलायें भी बड़ी विशाल हज़ारों मीलों में कश्मीर से पूर्वोत्तर भारत के राज्यों तक फैली हुई हैं। अनेक स्थानों पर ये श्रंखलाएं अपेक्षाकृत अधिक ऊंचाई ग्रहण किये हुए हैं। इन्हें चोटियां कहते हैं। इन्ही बड़ी चोटिओं में माउंट एवेरेस्ट, कंचनजंघा, नंदादेवी, धौलागिरी प्रमुख चोटियाँ हैं। दर्रों में जोजिला, पीरपंजाब, बनिहाल, रोहतांग, माना दर्रा, नाथुला और अरुणाचल प्रदेश में, बोमडिला आदि प्रमुख दर्रे हैं। खेवर दर्रा सबसे प्रमख है जो अब पाकिस्तान से पश्चिमी उत्तरी भाग में काबुल से जोड़ता है। इस दर्रे की लम्बाई लगभग 50 किलोमीटर और निम्नतम चौड़ाई 15 फ़ीट बताई जाती है। यहाँ ध्यान देने की बात है कि इन दर्रों के अतिरिक्त कोई सुरंग नहीं है जहाँ तक मेरी जानकारी है। मुगलों और मंगोलों के भारत आक्रमण के समय हमलावरों ने भारत में प्रवेश के लिए इसी दर्रे का उपयोग किया था।

भारत में हिमालय पर्वत की संरचना अन्य पहाड़ों और पहाड़ियों से भिन्न है। इनके बनने की प्रक्रिया और काल अवधि के बारे में मुझे कोई ज्ञान नहीं है यह जानकारी कोई भूगर्भ विज्ञानी अथवा भूगोल विशेषज्ञ बता सकता है। मैं तो इतना जानता हूँ कि हिमालय सख्त चट्टानों से नहीं बना है, अपितु पत्थरों के छोटे-बड़े सभी आकार के खंड मिटटी में चारो तरफ से फंसे पड़े हैं। बरसात से यह रेत या मिटी जब पानी से बह कर चट्टानों को आधार विहीन व् नंगा कर देती है तब बिना आधार ये पत्थर और चट्टानें अपने खुद के वज़न से नीचे लुढ़क जाते हैं जिसे लेंड स्लाइड कहा जाता है। इस प्रकार इन पर्वतों का क्षरण होता रहता है। अरावली और विंध्याचल पहाड़ियां अधिकांशत: लावा से बनी सख्त चट्टानी पहाड़ियां हैं। जिनको काटना कठिन होता है। अरावली पहाड़ियोन की श्रंखला नई दिल्ली के पहाड़ गंज से आरम्भ होकर हरियाणा, अलवर, जयपुर अजमेर होती हुई राजस्थान-गुजरात सीमा पर माउंट आबू समाप्त होती हैं। हिमालय से ये अपेक्षाकृत कुछ अधिक कठोर हैं। अरावली की ये श्रंखला राजस्थान को दो स्पष्ट क्षेत्रों उत्तर और दक्षिण भागों में बांटती है। उत्तरी भाग रेतीला, मरुस्थल और कृषि के आयामों में भिन्न है। दूसरी तरफ दक्षिण भाग बनों, पेड़ पौधों, खनिज और कृषि उत्पादन में बेहतर है।

उत्तरकाशी में सुरंग बनाने के समय जो हादसा हुआ वह संभावित था, क्योंकि क्षेत्र की बिना समुचित जांच किये सीधे सुरंग बनाना मूर्खता है। इन श्रृंखलाओं में दर्रा बनाना उचित होता है। सुरंग तो बनने के बाद भी कभी धंस सकती है क्योंकि मिटटी की संरचना यथा टेक्सचर, स्ट्रक्चर और कॉम्पेक्टनेस विशेषताएं वांक्षित स्तर की होनी चाहिये, जो नहीं हैं। लावा से बनी पहाड़ियों में सुरंग सुगमता से और बिना किसी व्यवधान के बन जाती है। समय जरूर अपेक्षाकृत अधिक लगता है क्योंकि कठोर पत्थर काटने में समय अपेक्षाकृत अधिक लगता है लेकिन सुरंग बनाते समय अथवा बनने के बाद भी धसनें आदि की संभावना नगण्य ही रहती है।

प्रकृति दोहन की भी एक हद होती है उस हद से पार जाना, स्वार्थ व् लालसा को प्रकृति कभी बर्दास्त नहीं करती। देर-सबेर उसका खामिजामा भुगतना ही पड़ता है। हिमालय और उसकी नदिओं के इतने लाभ जानकार भी आप अपना सर्वनाश करने पर तुले हैं, तो कौन रोक सकता है?

हिमालय एक विशाल जीवंत पर्वत है। ऐसा कहा जाता है कि समुद्र की बंगाल की खाड़ी से पृथ्वी के उत्तर की तरफ वेग से ड्रिफ्ट या सरकने से हिमालय पर्वत का निर्माण हुआ और पृथ्वी सूर्य की तरफ 23.5 डिग्री झुक गई। इस प्रकार ऊँचाइओं पर बनी चोटिओं पर वर्फ बनने से वे हिमाक्षादित हो गई। तत्पश्चात वर्फ पिघलने से पानी निचाई की तरफ बहनें से नदियां बन गई। समुद्री व् मैदानी मिटटी से बनी ये चोटीयां विभिन्न प्रकार की वनस्पतिओं से शनै: शनै: प्रचुर होती गई।

आज बड़ी नदिओं में गंगा, जमुना, सिंध, झेलम, कोसी, ब्रह्मपुत्र, आदि अपार जल प्रवाह लेकर मैदानी भाग को पानी उपलब्ध कराती हुई लाखों हैक्टर खेती की जमीन सिंचित कर वापिस बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में मिल जाती हैं। अतिरिक्त इनके नदिओं की अपार जल राशि से प्रेरित हो दो विशाल बिजली परियोजनाएं भाखड़ा नंगल और टेहरी भी संचालित हो चुकी हैं। हज़ारों किलोवाट बिजली उत्पादन के अलावा इन बांधों पर नहरें निकाल कर अनेक प्रांतों में खेती के लिए लाखों एकड़ सिंचाई के लिए नहरों का जाल बिछ गया है। भाखड़ा बाँध पंजाब के होशियारपुर ज़िले सतलुज नदी पर स्तिथ है जबकि टेहरी बाँध भागीरथी नदी पर उत्तरांचल प्रदेश में काफी ऊंचाई पर बना है। इसलिए ये हिमालय से निकली नदियां मानव के लिए जीवनदायनी बनी हुयी हैं। कल्पना करिये यदि ये नदिआं सूख जायँ तो क्या होगा? भूगर्भ जल भी पाताल में चला जायगा, जिसे मानव किसी भी प्रकार से प्राप्त नहीं कर सकेगा।

अतिरिक्त इसके गंगा जैसी नदी में विषाणु सदृश्य बैक्टीरिओ फेज की भी उपस्थित वैज्ञानिकों ने प्रतिपादित की है जिससे गंगा जल वर्षों तक घर में भी खराव नहीं होता। यह बैक्टेरिओफास जल में मौजूद जीवाणुओ को नष्ट करते रहते हैं। सहस्त्रधारा (ऋषिकेश से थोड़ा ऊपर चल कर) नामक स्थान से औषधियुक्त जल धाराएं अविरल गिरती रहती हैं। प्रतिदिन हज़ारों लोग इन धाराओं में स्नान करते हैं।

नदिओं के बहाव क्षेत्र में असंख्य औषधीय वनस्पति के बीज भी जल के साथ मैदानी भागों में आकर फिर नहरों के पानी से सिचाई के समय खेतों में पहुंच जाते हैं। अनेक सूक्ष्मतम खनिज भी पर्वत से जल के साथ मैदानी भागों में पहुँच कर खेतों की उर्वरा शक्ति बढ़ा देते हैं। राम-रावण युद्ध के समय मूर्छित लक्ष्मण को होश में लाने के लिए हनुमान जी हिमालय से ही संजीवनी बूटी लाये थे। कितने उदाहरण दूँ हिमालय की जीवंतता के बारे में? मनुष्य उसी हिमालय का सीना फाड़ सुरंग बना रहा है, मैदानी पहाड़ तो निर्जन कर ही दिए अब हिमालय पर चोट करने की मनुष्य ने प्लान बना ली है। मेरा मानना है कि हिमालय में सुरंगे अभिशाप से ग्रसित रहेंगी जो कभी-कभी मनुष्य की जान लेती रहेंगी।

प्रकृति दोहन की भी एक हद होती है उस हद से पार जाना, स्वार्थ व् लालसा को प्रकृति कभी बर्दास्त नहीं करती। देर-सबेर उसका खामिजामा भुगतना ही पड़ता है। हिमालय और उसकी नदिओं के इतने लाभ जानकार भी आप अपना सर्वनाश करने पर तुले हैं, तो कौन रोक सकता है?

अंत में मैं इस लेख में भी भारत की जनता, और तथाकतिथ जागरूक नेता व् प्रसाशनिक अधिकारी अपनी मूढ़ता से जब तक नहीं उभरेंगे, तब तक मोदी जी कितना ही विकास कर लें कोई दीर्घकालीन लाभ मिलने वाला नहीं। इसलिए हिमालय व् अन्य पर्वत बचाइए और लोगों का जीवन दीर्घ काल तक चलने दीजिये।

–अतिथि सम्पादक,
प्रो.डॉ. वीर बहादुर सिंह,
(पूर्व कुलपति एवं डेयरीविज्ञ महाराणा प्रताप कृषि एवं खाद्य प्रौद्योगिकी वि.वि., उदयपुर-राज.)

राशिफल शनिवार 9 दिसम्बर, 2023

पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीर्ष मास, कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2080, चित्रा नक्षत्र प्रात: 10:43 तक, शोभन योग रात्रि 11:36 तक, कौलव करण सांय 6:53 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-तुला, मंगल-वृश्चिक, बुध-धनु, गुरू-मेष, शुक्र-तुला, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज द्विपुष्कर योग सूर्योदय से दिन 10:43 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 10:43 से सूर्योदय तक है। अज उत्पन्ना एकादशी व्रत वैष्णवों का है। आज वंजुली महाद्वादशी व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 8:25 से 9:43 तक, चर 12:19 से 1:37 तक, लाभ-अमृत 1:37 से 4:12 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 7:08, सूर्यास्त 5:30

मेष
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में शुभ-धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

धनु
आर्थिक/वित्तीय मामलों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों पर नियंत्रण बना रहेगा।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
आर्थिक कारणों से अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

मकर
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

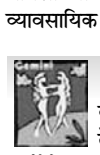

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता से बनने लगेंगे। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

कुंभ
अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। वर्तमान में चल रही परेशानियां दूर होने लगेगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे।

कर्क
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। सुख-शांति बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। प्रतिष्ठित व्यक्तियों से व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

वृश्चिक
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वभाव की तेजी पर नियंत्रण रखें।

मीन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

जोधपुर पोलो-2023 : पहला मैच उम्मेद भवन पैलेस व मेहरानगढ़ के बीच में ड्रॉ रहा

दूसरे मैच में इण्डियन नेवी की टीम विजयी रही, फाईनल में उम्मेद भवन पैलेस व इण्डियन नेवी टीमों ने प्रवेश किया

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर पोलो एवं इक्यूस्टेरियन इंस्टीट्यूट, जोधपुर के तत्वावधान में महाराजा गजसिंह स्पोर्ट्स फाउण्डेशन पोलो मैदान, एयरफोर्स रोड, पाबूपुरा में 24वां जोधपुर पोलो सीजन-2023 में शुक्रवार को उम्मेद भवन पैलेस कप पोलो (4 गोल) टूर्नामेंट के तीसरे दीन दो मैच खेले गये। जोधपुर पोलो एवं इक्यूस्टेरियन इंस्टीट्यूट मुख्य संरक्षक पूर्व शासक गजसिंह मैदान में उपस्थित थे।

जोधपुर पोलो सीजन-2023 में उम्मेद भवन पैलेस कप पोलो (4 गोल) टूर्नामेंट के तीसरे दीन दो मैच खेले गये।

- **जोधपुर पोलो एवं इक्यूस्टेरियन इंस्टीट्यूट मुख्य संरक्षक पूर्व शासक गजसिंह मैदान में उपस्थित थे**

जोधपुर पोलो एवं इक्यूस्टेरियन इंस्टीट्यूट, जोधपुर के सचिव इन्द्रजीत सिंह नाथावत ने बताया कि टूर्नामेंट में शुक्रवार को पहला मैच उम्मेद भवन पैलेस व मेहरानगढ़ की बीच खेला गया। जिसमें उम्मेद भवन पैलेस व मेहरानगढ़ के बीच में ड्रॉ रहा। उम्मेद भवन पैलेस टीम के भंवर निखलेन्द्र सिंह ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए दूसरे व तीसरे चक्कर में 2-2 गोल किए, अनिरूद्ध ने पहले व तीसरे चक्कर में 1-1 गोल किए, भंवर हेमेन्द्रसिंह ने पहले चक्कर में 1 गोल किया, वहीं टीम में विकल्प के तौर पर आए खिलाड़ी पेपसिंह भलासरिया ने तीसरे चक्कर में 1 गोल किया। मुकाबले में मेहरानगढ़ की टीम लॉ हैण्डीकेप होने के कारण 1 गोल की बढ़त के साथ खेलते हुए टीम के खिलाड़ी कुं. योगेश्वर सिंह ने पहले चक्कर में 3 व दूसरे चक्कर में 2 गोल किए। वहीं टीम के अन्य खिलाड़ी लक्ष्य शर्मा ने पहले चक्कर में 1 गोल किया। मैच के अम्पायर कुं. धनन्जय सिंह व कमेंट्री आस्ट्रेलिया से आए डेविड विंडसर ने की।

वहीं दूसरे मैच में मेयो कॉलेज टीम को इण्डियन नैवी टीम ने आधे गोल के अन्तर से हराया। इण्डियन नैवी की टीम लॉ हैण्डीकेप होने के कारण आधे गोल की बढ़त के साथ खेलते हुए टीम के कुं. धनन्जय सिंह ने पहले व तीसरे चक्कर में 2-2 व दूसरे चक्कर में 1 गोल किए। सीपीओ अलताफ खान ने दूसरे चक्कर में 1 गोल किया।

मेयो कॉलेज टीम की और से हर्षवर्धन सिंह सोढा ने पहले, दूसरे व तीसरे चक्कर में 1-1 गोल किए, भंवर शिवांस सिंह शक्तावत ने दूसरे चक्कर में 1 गोल किया व टीम के विदेशी खिलाड़ी लॉस वाटसन ने तीसरे चक्कर में 2 गोल किए। मैच के अम्पायर भंवर हेमेन्द्रसिंह व कमेंट्री आस्ट्रेलिया से आए डेविड विंडसर ने की। मैच के दौरान मदनसिंह, राजेन्द्रसिंह, कर्नल गिरेन्द्र सिंह दाखां, डॉ. महेन्द्रसिंह राठौड़, अंकुर मिश्रा, मेयो कॉलेज के लेफ्टिनेंट जी.एस. राठौड़ सहित अनेक पोलो प्रेमी उपस्थित थे।

सचिव इन्द्रजीत सिंह नाथावत ने बताया कि शनिवार को उम्मेद भवन पैलेस व इण्डियन नैवी टीम के बीच दोपहर 3 बजे फाईनल मैच खेला जाएगा।

उत्कर्ष क्लासेस द्वारा आरएएस अभ्यर्थियों हेतु सेमिनार आज

सेमिनार में जोधपुर के आरएएस अभ्यर्थी सफलता के गुरुमंत्र पाएंगे

जोधपुर, (कासं)। उत्कर्ष क्लासेस द्वारा आरएएस अभ्यर्थियों हेतु जोधपुर के शास्त्री नगर स्थित उत्कर्ष कॉम्प्लेक्स में शनिवार को प्रात: 10 बजे से विशेष सेमिनार आयोजित किया जा रहा है। वहीं रविवार को यह सेमिनार जयपुर के गोपालपुरा बायपास रोड स्थित उत्कर्ष सेंटर पर प्रात: 10 बजे आयोजित किया जाएगा। विद्यार्थियों के लिए सेमिनार का महत्वपूर्ण पहलू आरएएस-2021 के टॉपर्स से सीधी परिचर्चा कर सफल रणनीति पर मार्गदर्शन प्राप्त करना रहेगा। इस कड़ी में प्रथम रैंक हासिल करने वाले विक्रांत शर्मा के अलावा आकांक्षा दुबे (6वीं रैंक) तथा सत्यनारायण बिश्नोई (10वीं रैंक) विद्यार्थियों से अपनी बनाई कामयाब रणनीति एवं अनुभव साझा कर उनका हौंसला बढ़ायेंगे।

डॉ. निर्मल गहलोत

- **कल जयपुर के अभ्यर्थियों को विशेषज्ञ करेंगे लाभान्वित**

उत्कर्ष क्लासेस के संस्थापक एवं निदेशक डॉ. निर्मल गहलोत ने बताया कि संस्था द्वारा आयोजित किए जाने वाले ये फाउंडेशन सेमिनार आरएएस भर्ती परीक्षा के लिए पहले से प्रयासरत अभ्यर्थियों के साथ-साथ उन विद्यार्थियों के लिए भी बेहद उपयोगी साबित होने वाले हैं जो उपर्युक्त परीक्षा में प्रथम बार बैठने और सफलता हासिल करने के इच्छुक हैं। इन सेमिनार का हिस्सा बनने वाले विद्यार्थियों को न केवल गत आरएएस भर्ती परीक्षा के टॉपर्स से उनके संघर्ष एवं तैयारी के बारे में जानने का अवसर मिलेगा बल्कि सिविल परीक्षाओं के बेहद अनुभवी विशेषज्ञों द्वारा प्रारम्भिक, मुख्य तथा साक्षात्कार चरण में कामयाबी से जुड़े कई आवश्यक पहलुओं पर उपयोगी मार्गदर्शन भी प्राप्त होगा। इसके तहत विख्यात विशेषज्ञों से परीक्षा में प्रभावी उत्तर लेखन कला की बारीकियों पर ज्ञानवर्धन करने के अलावा कैसे और कितना पढ़ना है, क्या पढ़ना है और अध्ययन के लिए उचित माध्यम तथा सामग्री का चयन कैसे करें? जैसे महत्त्वपूर्ण प्रश्नों के सटीक जवाब भी जानने के अवसर प्राप्त होंगे। वहीं सेमिनार में आए सभी विद्यार्थियों को आरएएस - 2021 की प्रारंभिक व मुख्य परीक्षाओं के हल सहित प्रश्न-पत्र तथा ब्रोशर नि:शुल्क दिए जायेंगे।

शेखावाटी में पारा गिरा

चूरू, (कासं)। शेखावाटी में पारा दिनों-दिन गिरता ही जा रहा है। इससे यहां सर्दी के तेवर और तीखे हो गए हैं। मौसम विभाग के अनुसार चूरू में आज न्यूनतम तापमान 6.6 डिग्री सेल्सियस व अधिकतम तापमान 22.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है। पिछले दिवस की तुलना मे यहां न्यूनतम तापमान 0.4 डिग्री सेल्सियस गिर गया है। साथ ही यहां अधिकतम तापमान में 2.3 डिग्री सेल्सियस की भारी गिरावट आई है। गत तीन दिन में यहां न्यूनतम तापमान 2.6 डिग्री सेल्सियस गिर चुका है। यह गिरावट लगातार जारी है। जनपद में सर्दी बढ़ने से लोगों की दिनचर्या में बदलाव आ गया है। आज दिन में भी गर्म वस्त्र पहनने पड़े और लोग शाम ढलते ही घरों में दुबक गए। सीएम बहड़ सर्किल, अम्बेडकर सर्किल, भरतिया अस्पताल के पास सहित विभिन्न स्थानों पर अलाव जलाए गए। हालांकि नगरपरिषद की ओर से अभी तक यहां अलाव जलाने के लिए लकड़ियों की कोई व्यवस्था नहीं की गई है।

"विकसित भारत संकल्प यात्रा" के प्रतिभागियों की संख्या एक करोड़ से अधिक हुई

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 15 नवम्बर को झारखंड के खूंटी से शुरू की गई विकसित भारत संकल्प यात्रा देश भर में नागरिकों के साथ संबंधों को बढ़ावा देने वाला एक परिवर्तनकारी अभियान बनकर उभरी है।

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा विकसित किए गए कस्टमाइज्ड पोर्टल पर दर्ज आंकड़ों के अनुसार 7 दिसम्बर, 2023 तक यह यात्रा 36,000 से अधिक ग्राम पंचायतों तक पहुंच चुकी है और 1 करोड़ से अधिक नागरिकों की भागीदारी इसमें देखी गई है। भारत का सबसे अधिक आबादी वाला राज्य उत्तर प्रदेश 37 लाख से अधिक लोगों की भागीदारी के साथ इसमें सबसे आगे है। इसके बाद महाराष्ट्र में 12.07 लाख ओर गुजरात में 11.58 लाख लोगों ने भाग लिया। इस यात्रा को जम्मू-कश्मीर में भी जोश भरा स्वागत किया है, जहां से अब तक 9 लाख से अधिक लोग भाग ले चुके है।

हर गुजरते दिन के साथ लोगों की भागीदारी में और तेजी आई है। संकल्प यात्रा के पहले सप्ताह के दौरान 500,000 नागरिकों की भागीदारी देखी गई। पिछले 10 दिनों के दौरान देश भर से 77 लाख से अधिक लोगों ने इस यात्रा में भाग लिया। बहुत ही कम समय में, यह यात्रा शहरी क्षेत्र में 700 से अधिक स्थानों तक पहुंच गई है और कुल 79 लाख लोगों ने संकल्प लिया कि 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में प्रयास करेंगे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा कई गांवों में पहुंची।

एक अभूतपूर्व आउटरीच प्रयास में यह यात्रा सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) वैनों का उपयोग करके 2.60 से अधिक ग्राम पंचायतों और 3600 से अधिक शहरी स्थानीय निकायों को कवर करने की और बढ़ रही है। इन वैनों के जरिए लोगों से आव्हान किया जाता है कि वे अपने लाभ के लिए सरकारी योजनाओं का उपयोग करें।

इस यात्रा का एक केन्द्रीय बिंदु महिला-केंद्रित योजनाओं के लिए नामांकन किया है। स्वास्थ्य शिविर भी एक बड़ा आकर्षण साबित हुए हैं और अब तक 22 लाख व्यक्तियों की जांच की जा चुकी है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के हिस्से के रूप में किसानों के लिए किए गए ड्रोन प्रदर्शनों ने काफी उत्सुकता पैदा की है। 'ड्रोन दीदी योजना' के तहत 15,000 महिला स्वयं सहायता समूहों को ड्रोन प्रदान किए जाएंगे और दो महिला सदस्यों को आवश्यक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके शुभांभ के साथ ही बडी संख्या में महिलाएं ड्रोन उड़ानों को देखने के लिए आगे आ रही है। ये समूह एक शुल्क लेकर ड्रोन सेवाओं को किराए पर देंगे, जो कि इन स्वयं सहायता समूह के सदस्यों के लिए राजस्व के एक और जरिए के रूप में काम करेगा।

महाराष्ट्र सम्पर्क क्रांति एक्सप्रेस से बिजली के तार टूटे

गंगापुर सिटी, (निसं)। कोटा-सवाईमाधोपुर रेलखंड पर देर रात महाराष्ट्र संपर्क क्रांति एक्सप्रेस से बिजली (ओएचई) के तार टूटने से कोटा-मथुरा अप लाइन पर करीब 7 घंटे यातायात ठप रहा। राजधानी समेत पांच ट्रेनें प्रभावित हुई। केशवरायपाटन व अरनेठा के बीच हुई ओएचई तार टूटा। अचानक हुई इस घटना के बाद कोटा व लाखेरी से टावर वैगन व इंजीनियरिंग टीम मौके पहुंची। तड़के करीब 4 बजे लाइन को दुरुस्त किया गया। तब जाकर अप लाइन पर यातायात सुचारु हुआ।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार घटना में करीब आधा किलोमीटर तार क्षतिग्रस्त हो गए। इंजन का पेंटाग्राफ भी टूट गया। फिलहाल कारणों का पता नहीं चला है। प्रशासन ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। जानकारी के अनुसार कोटा-सवाई माधोपुर रेलखंड स्थित केशवरायपाटन और अरनेठा स्टेशन के बीच गुरुवार रात 9 बजकर 40 मिनट पर निजामुद्दीन-बांद्रा महाराष्ट्र संपर्क क्रांति एक्सप्रेस (12908) से बिजली के तार (ओएचई) टूट गए। इसके चलते 7 ट्रेनें रास्ते में खडी रहीं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार घटना में करीब आधा किलोमीटर तार क्षतिग्रस्त हो गए। इंजन का पेंटाग्राफ भी टूट गया। फिलहाल कारणों का पता नहीं चला है। प्रशासन ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। ट्रेन रुकने से सफर करने वाले और स्टेशन पर इंतजार करने वाले यात्रियों को भारी परेशानी हुई। यात्री बार-बार रेलवे से ट्रेन संचालन के बारे में पूछताछ करते नजर आए। कहीं से भी संतुष्टि पूर्ण जवाब नहीं मिलने से यात्रियों की परेशानी और अधिक बढ गई।

गंगापुर सिटी में बिजली का तार टूटने से रेलवे टेशन पर खड़ी ट्रेनें।

जानकारी देने से बचते रहे अधिकारी:- घटना के बाद रेलवे के अधिकारी जानकारी देने से बचते रहे। रेलवे की तरफ से यात्रियों की सुविधाओं को देखते ट्रेनों की स्थिति के बारें जानकारी शेयर नहीं की गई। ना ही आधिकारिक रूप से प्रभावित ट्रेनों व उनकी संख्या के बारें में जानकारी दी। एक दूसरे पर जिम्मेदारी डालते नजर आए। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक रोहित मालवीय ने बताया कि ओएचई टूटने से अप लाइन पर यातायात प्रभावित हुआ था। जिसके कारण 5-7 ट्रेनें अटकी रहीं। तडके 4 बजे करीब लाइन को दुरुस्त कर दिया गया।